



शब्द शब्द संघर्ष

DNA

डेली न्यूज ऐक्टिविस्ट

RNI NO.: UPHIN/2007/41982 संस्करण : लखनऊ

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

website : www.dnahindi.com

डाक पंजीयन : एसएसपी/एल.डब्ल्यू./एन.पी.-358/2016-18

तापमान	
अधिकतम 31.00	
न्यूनतम 23.00	
शुष्क तापमान 31	
सूर्योदय 06:07 बजे	
सूर्यास्त 05:34 बजे	

लखनऊ। रोडवेज बस से सफर करने वाले यात्रियों के प्रति ड्राइवर-कंडक्टरों का व्यवहार अच्छा होना चाहिए। अच्छे व्यवहार से ही विभाग की छवि को बेहतर किया जा सकता है। उक्त बातें कैसरबाग स्थित अवध बस डिपो में आयोजित सड़क सुरक्षा सप्ताह के छठे दिन शनिवार को लखनऊ क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक पल्लव बोस ने कही। उन्होंने कहा चालक के कंधों पर 50 से 60 यात्रियों की जिम्मेदारी होती। ऐसे में सड़क सुरक्षा का पालन करते बस दुर्घटनाओं को बचाया जा सकता है। कार्यक्रम का संचालन परिवहन विभाग के यात्रीकर अधिकारी आशुतोष उपाध्याय ने किया। इस दौरान मुख्य अतिथि के तौर पर अपर जिलाधिकारी आरडी पांडेय ने उपस्थित चालक परिचालकों को संबोधित करते हुए नरी में वाहन नहीं चलाने की नसीहत देते हुए धैर्य से बस चलाने की सलाह दी।

यात्रियों के प्रति
ड्राइवर
कंडक्टरों का
अच्छा व्यवहार
जरूरी

लखनऊ

डेली न्यूज ऐक्टिविस्ट

3

लखनऊ, रविवार, 20 अक्टूबर 2019

जर्जर पेड़ों को पेंट किया तो निकलने लगे कल्ले

डेली न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। जर्जर व बूढ़े हो चुके पेड़ सूखने के कगार पर पहुंच गए थे। वैज्ञानिक तरीके से नया प्रयोग हुआ। पौधों को साफसुथरा कर पेंट कर दिया गया। महज 15 दिनों में उनमें जान लौट आई। पेड़ों के तनों से नए कल्ले निकल आए। खूबसूरती तो बढ़ी ही साथ में हरियाली बरकरार रहने की उम्मीद भी जग गई है। यह प्रयोग गोमतीनगर स्थित राजीव गांधी वार्ड के राम भवन चौराहे पर हुआ है। यहां लगभग 110 मीटर लम्बे साइकिल पथ के किनारे लगे पेड़ सूखने के कगार पर पहुंच गए थे। उनमें रोग लग गया था। पेड़ों के तने जगह-जगह खोखले हो गए थे। वह कभी भी भरभराकर गिर सकते थे। वरिष्ठ पर्यावरण वैज्ञानिक प्रो. भरत राज सिंह की सलाह पर क्षेत्रीय पार्षद अरुण तिवारी व स्वच्छता प्रोत्साहन समिति के सदस्यों ने एकजुटता दिखाई। प्रयोग के तौर पर 50 मीटर लम्बाई में लगे पेड़ों की तनों के छालों को साफसुथरा किया गया। थाले बनाकर बालू व ग्रेवल डाला गया। साइकिल पथ के दोनों तरफ घास व हेज लगाकर खूबसूरत बनाया गया। तनों के खोखले हुए हिस्सों में एण्टीट्रमाईट ट्रीटमेंट कराया। इसके बाद

- वैज्ञानिक का दावा
वाष्पीकरण बंद होने पेड़ों में आई जान

प्राइमर व पेंट से चित्रकारी हुई। इसमें पेड़ों के स्वरूप में कोई परिवर्तन नहीं किया गया। महज 15 दिन में पेड़ों की तनों से नए कल्ले निकलने शुरू हो गए हैं। नए प्रयोग के सार्थक परिणाम निकलने से लोग उत्साहित हैं। उनको ऐसे सभी पेड़ों में दोबारा जान आने की आस बढ़ गई है।

www.dailynewsactivist.com